स्त्री शिक्षा का ऐतिहासिक परिदृश्य
Historical Perspective of Women Education

वैदिक काल में स्त्री शिक्षा (Women Education in Vedic Period)

वैदिक काल में स्त्रियों को शिक्षा प्राप्त करने तथा यज्ञ करने का उतना ही अधिकार था, जितना कि पुरुषों को। इस काल में लोपामुद्रा, विश्ववारा, सावित्री, गोपायना, सिक्ता - निवावरी आदि विदुषी स्त्रियाँ थी। इस काल में पत्नी के बिना पुरुषों को यज्ञ करने का अधिकार नहीं था, इसके विपरीत कुछ यज्ञ ऐसे भी हुआ करते थे, जो सिर्फ स्त्री द्वारा स्वतंत्र रूप से किया जाता था। इस काल में स्त्रियों को संगीत, नृत्य आदि ललित कलाओं की शिक्षा भी दी जाती थी। पाठ्यक्रम में इतिहास, पुराण, व्याकरण, ब्रह्मविद्या, कल्प छन्द, आयुर्वेद, राशि, दैव आदि विषय भी पढ़ाए जाते थे। इस प्रकार वैदिक काल में स्त्रियों को उच्च कोटि की शिक्षा देने की व्यवस्था थी।